ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 08-05-2026

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-05-08 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-05-09	2026-05-10	2026-05-11	2026-05-12	2026-05-13
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	1.0	1.0
अधिकतम तापमान(से.)	27.0	27.0	28.0	27.0	27.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.0	13.0	14.0	13.0	12.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	68	62	55	63	64
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	31	27	26	25	27
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	8	8	8	9
पवन दिशा (डिग्री)	81	77	85	87	77
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	2	4	4
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

अगले पांच दिनों में मौसम परिवर्तनशील रहेगा। जिले के कई स्थानों पर 11 और 12 मई को हल्की वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27.0-28.0 डिग्री सेल्सियस और 12.0-14.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा में 4.7-9.3 किमी प्रति घंटा के बीच रहेगी। सापेक्ष आर्द्रता 25-68 प्रतिशत के बीच रहेगी।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

□ जिले के कुछ स्थानों पर 11 और 12 मई को गरज के साथ बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

तेज़ हवाओं के कारण फलों के पेड़ों में फूल और छोटे फल झड़ सकते हैं और टहनियाँ टूट सकती हैं। बागों और खेतों में पानी का छिड़काव और सिंचाई बंद कर दें। बिजली कड़कने और बिजली गिरने से सावधान रहें। किसानों को खुले खेतों में जाने से बचने की सलाह दी जाती है। ऊँचे पेड़ों या अन्य वस्तुओं से दूर रहें।

सामान्य सलाहकार:

□ वर्तमान मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए फसलों में नए कीटों के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। □ वर्षा के बाद मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए खेत में लगभग 10 सेमी मोटी जैविक मल्च सामग्री से मल्चिंग करें। □ वर्षा जल को एकत्रित एवं संग्रहित करने के लिए उचित व्यवस्था करें, ताकि भविष्य में इसका उपयोग किया जा सके। □ खेतों में जल जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी (ड्रेनेज) की व्यवस्था करें।

लघु संदेश सलाहकार:

□ स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु Meghdoot App का उपयोग करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	□ 11 और 12 मई को ओलावृष्टि की स्थिति में, किसानों को घटना के 3–4 दिनों के भीतर 200 ग्राम बोरिक एसिड + 500 ग्राम जिंक सल्फेट + 250 ग्राम बुझा हुआ चूना 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। □ तेज हवाओं से टूटी या छंटाई की गई शाखाओं के कटे हुए भागों पर साफ मौसम में बोर्डो पेस्ट लगाएं, ताकि फफूंद संक्रमण से बचाव हो सकें।
खुबानी	□ वर्षा के बाद मिट्टी की नमी संरक्षण हेतु पौधों के तोलियों में लगभग 10 सेमी मोटी जैविक मल्च सामग्री से मल्चिंग करें ।
लहसुन	□ 11 मई 2026 से पहले फसल की 50% गर्दन झुकने (नेक फॉल) की अवस्था प्राप्त होने पर कटाई कर लें, क्योंकि 11 से 13 मई के दौरान अधिकांश स्थानों पर वर्षा होने की संभावना है। कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर ले जाकर अच्छी वेंटिलेशन वाले कमरों में रखें।
भिण्डी	□ सब्जियों की नर्सरी पौधों को वर्षा से बचाने एवं नमी संरक्षण के लिए घास आदि से ढक दें। □ बीजों के कम अंकुरण अथवा पौधों के नष्ट होने की स्थिति में किसान शीघ्र पुनः बुवाई करें। □ बेहतर वायु संचार एवं जलभराव की स्थिति को कम करने के लिए किसान बुवाई हेतु उठी हुई क्यारियाँ (रेज़्ड बेड) तैयार करें।
टमाटर	□ टमाटर के पौधों को प्रारंभिक वृद्धि अवस्था में ही उचित सहारा (स्टेकिंग) प्रदान करें, ताकि पौधे गिरने से बचें, वायु संचार बेहतर हो तथा फल की उपज एवं गुणवत्ता में सुधार हो।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	□ वर्तमान समय में धान के पुआल (rice straw) पर निर्भर दुग्ध पशुओं के आहार में कैल्शियम सप्लीमेंट अवश्य शामिल करें, जिससे कैल्शियम की कमी एवं आंतों में रुकावट (इंटेस्टाइनल ब्लॉकेज) की समस्या से बचाव हो सके। □ दुग्ध पशुओं को संतुलित आहार के रूप में हरा चारा जैसे बरसीम, जई (ओट्स) एवं अन्य हरी घास नियमित रूप से उपलब्ध कराएं, जिससे दूध उत्पादन में वृद्धि हो तथा अफारा (ब्लोट) की समस्या से भी बचाव हो सके।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	□ प्राकृतिक खेती करने वाले किसान साफ मौसम की स्थिति के दौरान अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत और जीवामृत का नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत का छिड़काव करके कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं। □ पौधों के चारों ओर सूखी पत्तियों जैसी जैविक मल्च का उपयोग करें, जिससे मिट्टी में नमी संरक्षित रहे और खरपतवारों की वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सके।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

तेज़ हवाओं के कारण फलों के पेड़ों में फूल और छोटे फल झड़ सकते हैं और टहनियाँ टूट सकती हैं।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

बागों और खेतों में पानी का छिड़काव और सिंचाई बंद कर दें। बिजली कड़कने और बिजली गिरने से सावधान रहें। किसानों को खुले खेतों में जाने से बचने की सलाह दी जाती है। ऊँचे पेड़ों या अन्य वस्तुओं से दूर रहें।

Farmers are advised to download Unified �Mausam� and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details